إِذْ قَالَ ٱللَّهُ يَٰعِيسَىٰٓ إِنِّي مُتَوَفِّيكَ وَرَافِعُكَ إِلَيَّ وَمُطَهِّرُكَ مِنَ
ٱلَّذِينَ كَفَرُواْ وَجَاعِلُ ٱلَّذِينَ ٱتَّبَعُوكَ فَوْقَ ٱلَّذِينَ كَفَرُوٓاْ
إِلَىٰ يَوْمِ ٱلْقِيَٰمَةِۖ ثُمَّ إِلَيَّ مَرْجِعُكُمْ فَأَحْكُمُ بَيْنَكُمْ فِيمَا
كُنتُمْ فِيهِ تَخْتَلِفُونَ ﴿٥٥﴾ فَأَمَّا ٱلَّذِينَ كَفَرُواْ فَأُعَذِّبُهُمْ عَذَابًا
شَدِيدًا فِي ٱلدُّنْيَا وَٱلْأَخِرَةِ وَمَا لَهُم مِّن نَّٰصِرِينَ ﴿٥٦﴾ وَأَمَّا
ٱلَّذِينَ ءَامَنُواْ وَعَمِلُواْ ٱلصَّٰلِحَٰتِ فَيُوَفِّيهِمْ أُجُورَهُمْۗ وَٱللَّهُ
لَا يُحِبُّ ٱلظَّٰلِمِينَ ﴿٥٧﴾ ذَٰلِكَ نَتْلُوهُ عَلَيْكَ مِنَ ٱلْأَيَٰتِ
وَٱلذِّكْرِ ٱلْحَكِيمِ ﴿٥٨﴾ إِنَّ مَثَلَ عِيسَىٰ عِندَ ٱللَّهِ كَمَثَلِ ءَادَمَۖ
خَلَقَهُۥ مِن تُرَابٍ ثُمَّ قَالَ لَهُۥ كُن فَيَكُونُ ﴿٥٩﴾ ٱلْحَقُّ مِن
رَّبِّكَ فَلَا تَكُن مِّنَ ٱلْمُمْتَرِينَ ﴿٦٠﴾ فَمَنْ حَآجَّكَ فِيهِ مِنۢ
بَعْدِ مَا جَآءَكَ مِنَ ٱلْعِلْمِ فَقُلْ تَعَالَوْاْ نَدْعُ أَبْنَآءَنَا
وَأَبْنَآءَكُمْ وَنِسَآءَنَا وَنِسَآءَكُمْ وَأَنفُسَنَا وَأَنفُسَكُمْ ثُمَّ
نَبْتَهِلْ فَنَجْعَل لَّعْنَتَ ٱللَّهِ عَلَى ٱلْكَٰذِبِينَ ﴿٦١﴾ إِنَّ هَٰذَا لَهُوَ
ٱلْقَصَصُ ٱلْحَقُّۚ وَمَا مِنْ إِلَٰهٍ إِلَّا ٱللَّهُۚ وَإِنَّ ٱللَّهَ لَهُوَ ٱلْعَزِيزُ
ٱلْحَكِيمُ ﴿٦٢﴾ فَإِن تَوَلَّوْاْ فَإِنَّ ٱللَّهَ عَلِيمُۢ بِٱلْمُفْسِدِينَ ﴿٦٣﴾

Theme	
Allah's promise to clean Isa (Jesus) of those who rejected him. The birth of Isa (Jesus) without father is like the creation of Adam without	अल्लाह तआला का ईसाؑ से वादा कि वह उन्हें मुनकिरीन की दस्तरस और उनके शर से नजात देगा। ईसाؑ की बग़ैर बाप के पैदाइश, आदमؑ

parents. "Mubahla": Calling for Allah's decision if Isa's (Jesus) birth is disputed.	की बग़ैर माँ-बाप के तख़्लीक़ की मानिंद है। "मुबाहला": ईसा के बारे में हक़ वाज़ेह हो जाने के बाद भी इख़्तिलाफ़ करनेवालों को अल्लाह तआला से फ़ैसला तलब करने की दावत।
Tarjumani	
Remember, when Allah said: "O Isa (Jesus)! I am going to recall you (from your mission) and raise you up to Myself. I will clean you of those who rejected you and exalt your followers above the unbelievers until the Day of Resurrection; then to Me shall be your return and I shall judge those matters in which you have been disputing. Those who are unbelievers will be punished with severe punishment in this world and the Hereafter; they shall have no helpers. As for those who believe and do good deeds, Allah will pay them their full reward. Allah does not love the wrongdoers." This revelation which We recite to you is full	(वह अल्लाह की ख़ुफ़िया तदबीर ही थी) जब उसने कहा कि "ऐ ईसा, अब मैं तुझे वापस ले लूँगा और तुझको अपनी तरफ़ उठा लूँगा और जिन्होंने तेरा इनकार किया है उनसे (यानी उनकी मईयत से और उनके गन्देमाहौल में उनके साथ रहने से) तुझे पाक कर दूँगा और तेरी पैरवी करनेवालों को क़ियामत तक उन लोगों पर बालादस्त रखूँगा जिन्होंने तेरा इनकार किया है	फिर तुम सबको आख़िरकार मेरे पास आना है, उस वक़्त मैं उन बातों का फ़ैसला कर दूँगा जिसमें तुम्हारे दरमियान इखतिलाफ हुआ है	जिन लोगों ने कुफ़्र व इनकार की रविश इखतियार की है उन्हें दुनिया और आख़िरत दोनों में सख्त सज़ा दूँगा और वे कोई मददगार न पाएँगे, और जिन्होंने ईमान और नेक अमली का रवैया इखतियार किया है उन्हें उनके अज्र

of signs and is a wise reminder. In fact, the example of the birth of Isa (Jesus) in the sight of Allah is like the example of Adam who had no father of mother, whom He created out of dust, then said to him: "Be and he was This & the Truth from your Rab, therefore, do not be of those who doubt it. If anyone disputes with you concerning this matter (the birth of Jesus) after full knowledge has come to you, say: "Come! Let us gather our sons and your sons, our women and your women, ourselves and yourselves then let us earnestly pray and invoke the curse of Allah on the liars. Verily, this is the absolute true explanation. The fact of the matter is that there is no god but Allah, and for sure Allah is the Mighty, the Wise. But, if they turn away from accepting this challenge, it will be clear proof of their mischief and Allah has full knowledge of mischief-mongers.	पूरे-पूरे दे दीये जायेंगे, और (ख़ूब जान ले की) ज़ालिमों से अल्लाह हरगिज़ मोहब्बत नहीं करता	ऐ नबी, ये आयात और हिकमत से लबरेज़ तज़किरे हैं जो हम तुम्हें सुना रहे हैं	अल्लाह के नज़दीक ईसा की मिसाल आदम की-सी है कि अल्लाह ने उसे मिट्टी से पैदा किया और हुक्म दिया कि हो जा और वह हो गया	यह अस्ल हकीक़त है जो तुम्हारे रब की तरफ़ से बताई जा रही है और तुम उन लोगों में शामिल न हो जो इसमें शक करते हैं	यह इल्म आ जाने के बाद अब जो कोई इस मामले में तुमसे झगड़ा करे तो ऐ नबी, उससे कहो कि "आओ हम और तुम ख़ुद भी आ जाएँ और अपने-अपने बाल-बच्चों को भी ले आएँ और ख़ुदा से दुआ करें कि जो झूठा हो उसपर ख़ुदा की लानत हो |" ये बिल्कुलसही वाक़ियात हैं, और हकीक़त यह है कि अल्लाह के सिवा कोई खुदावन्द नहीं है, और वह अल्लाह ही की हस्ती है जिसकी ताक़त सबसे बाला और जिसकी हिकमत निज़ामे-आलम में कारफरमा है	पस अगर ये लोग (इस शर्त पर मुक़ाबले में आने से) मुँह मोड़े तो (उनका मुफ़सिद होना साफ़ खुल जाएगा) और अल्लाह तो

	मुफसिदों के हल से वाकिफ़ ही है।
Tafsir	